

संधि के 5 सबसे बड़े अपवाद (ये नियम के खिलाफ चलते हैं)

अपवाद 1:

अक्षौहिणी (अक्ष + ऊहिनी):

गुण संधि
 $\text{अ} + \text{ऊ} = \text{औ}$ $\text{औ} \Rightarrow \text{१}$

गुण संधि के नियम से 'अक्षौहिणी' होना चाहिए था, पर अपवाद के कारण यहाँ वृद्धि संधि (औ की मात्रा) होती है।

संधि के 5 सबसे बड़े अपवाद (ये नियम के खिलाफ चलते हैं)

अपवाद 2:

प्रौढ़ (प्र + ऊढ़):

अ + ऊ = औ

गुण संधि के नियम से 'प्रौढ़' होना चाहिए था, पर अपवाद से यहाँ वृद्धि संधि (औ की मात्रा) होती है।

संधि के 5 सबसे बड़े अपवाद (ये नियम के खिलाफ चलते हैं)

अपवाद 3:

सुखार्त (सुख + कृत):

सु + कृ = आर्

दीर्घ या गुण संधि के नियम के खिलाफ जाकर यहाँ वृद्धि स्वर संधि (आर् का उच्चारण) होती है।

संधि के 5 सबसे बड़े अपवाद (ये नियम के खिलाफ चलते हैं)

अपवाद 4 :

स्व + अंग

स्व + अधीन

स्वांग (स्व + अंग) और स्वधीन (स्व + अधीन):

अ + अं = अं

अ + अ = अ

इनमें 'स्व' (अपना) अर्थ होने के कारण 'सु' उपसर्ग नहीं लगता, इसलिए ये यण संधि नहीं बल्कि दीर्घ संधि के उदाहरण हैं।

संधि के 5 सबसे बड़े अपवाद (ये नियम के खिलाफ चलते हैं)

अपवाद 5:

स्वैरिणी (स्व + इरिणी):

गुण संधि का नियम तोड़कर यहाँ वृद्धि संधि (ऐ की मात्रा) होती है।

संधि के सबसे जरूरी फंसाने वाले पॉइंट्स

विच्छेद में हलंत (्)

व्यंजन संधि को पहचानते समय हमेशा पहले शब्द के अंतिम वर्ण के नीचे हलंत (जैसे: उत् + लास = उल्लास) जरूर देखें।

व और य से पहले आधा अक्षर

यदि 'य' या 'व' के ठीक पहले आधा अक्षर आए (जैसे: इत् + आदि = इत्यादि), तो वह हमेशा यण स्वर संधि होती है।

इत् + आ = इत्था

संधि के सबसे जरूरी फंसाने वाले पॉइंट्स

रे, औ, आय, आव का उच्चारण = अय, आय, अव, आव

यदि शब्द के बीच में इनका उच्चारण आए (जैसे: पवन, पावक, नयन), तो आँख बंद करके अयादि स्वर संधि लगाएं।

शिरोरेखा पर डबल मात्रा (ै, औ)

शब्द के ऊपर दो मात्राएँ दिखने पर (जैसे: सदैव, महाऔषध) वह हमेशा वृद्धि स्वर संधि होती है।

संधि के सबसे जरूरी फंसाने वाले पॉइंट्स

शिरोरेखा पर सिंगल मात्रा (े, ो)

गुण स्वर

शब्द के ऊपर एक मात्रा दिखने पर (जैसे: नरेंद्र, परोपकार) वह गुण स्वर संधि होती है।

अनुस्वार (ं) का नियम

शब्द के ऊपर लगी बिंदी विच्छेद करते समय हमेशा हलंत वाले 'म्' में बदल जाती है (जैसे: संहार = सम् + हार)।

संधि के सबसे जरूरी फंसाने वाले पॉइंट्स

आधा 'श, ष, स' का विसर्ग बनना

यदि शब्द में आधा श, ष, स आए (जैसे: निश्चल, दुष्कर, नमस्ते), तो विच्छेद में वे विसर्ग (ः) में बदल जाते हैं (जैसे: निः + चल = निश्चल)।

नमः + ते

नमः + कार = नमः + कार



THANK YOU

QUESTION: 14

UPSSSC PET 15 October 2022 (Shift 1)

'महर्षि' शब्द का सही संधि विच्छेद बताइए :

A. म + अहर्षि

B. महा + ऋषि

C. मह + ऋषि

D. महि + ऋषि

महा + ऋषि
आ + ऋ = आरु ⇒ गुण संधि

QUESTION: 20

UPSSSC PET 16 October 2022 (Shift 1)

"सद्भावना" का संधि-विच्छेद क्या होगा ?

- A. सम् + भावना
- B. सत् + भावना
- C. स + दभावना
- D. इनमें से कोई नहीं ✓



QUESTION: 21

UPSSSC PET 28 October 2023 (Shift 1)

'धरंश' का सही संधि-विच्छेद है:

- A. धरा + अश
- B. धरा + इष
- C. धरा + ईश
- D. धर + ईश

धर + ईश

QUESTION: 27

UPSSSC PET 28 October 2023 (Shift 2)

पितृ + इच्छा के योग से कौन सा शब्द बनेगा ?

- A. पित्रीच्छा
- B. पित्रिच्छा
- C. पितृच्छा
- D. पितरुच्छा

पितृ + इच्छा = पितृच्छा

① पितृ + इच्छा = पितृच्छा

② पितृ + इच्छा = पितृच्छा

③ पितृ + इच्छा = पितृच्छा

QUESTION: 31

UPSSSC PET 29 October 2023 (Shift 1)

निम्न में से संधि का कौन सा युग्म गलत है?

A. भुद्धार = भू + उद्धार

= भू + उ = भू

B. अनुदित = अनु + उदित

= अनु + उ = अनु

C. श्रद्धानंद = श्रद्धा + आनंद

= आ + आ = आ

D. अवनींद्र = अवनी + इंद्र

इ + इ = इ

QUESTION: 40

UPSSSC PET 29 October 2023 (Shift 2)

'उर्मिलेश' शब्द का संधि-विच्छेद चयन कीजिए।

A. उर्मिला + एश

B. उर्मिल + एश

C. उर्मिल + ईश

D. उर्मिला + ईश

उर्मिला + ईश = उर्मिलेश = लक्ष्मण
आ + ई = ईश

कलास
॥

होस्ट
॥

TEST
↓

LIVE CLASS
॥

चेयरी + P.Y.Q

① TOPIC.WISE

चेयरी + प्रश्न

② P.N.Q.

TOPIC.WISE

50 प्रश्न
25 मिनट

1
4 नकारात्मक
अंक

③ E. Book

④ CLASS. NOTES

हिन्दी व्याकरण

✓ 1 संधि

⇒ 2. तत्सम-तद्भव

3. लिंग

4 वाक्य प्रशुद्धि

संस्कृत हिन्दी के समान

सः = वह

वम् = तुम

प्रहम् = मैं

तत् = उससे, उसके

4 लाल विद्युषी दादी
माता-पिता अदुषी

दोस्त

तत्सम

तत् + सञ्ज

उसके + समान

संस्कृत के समान

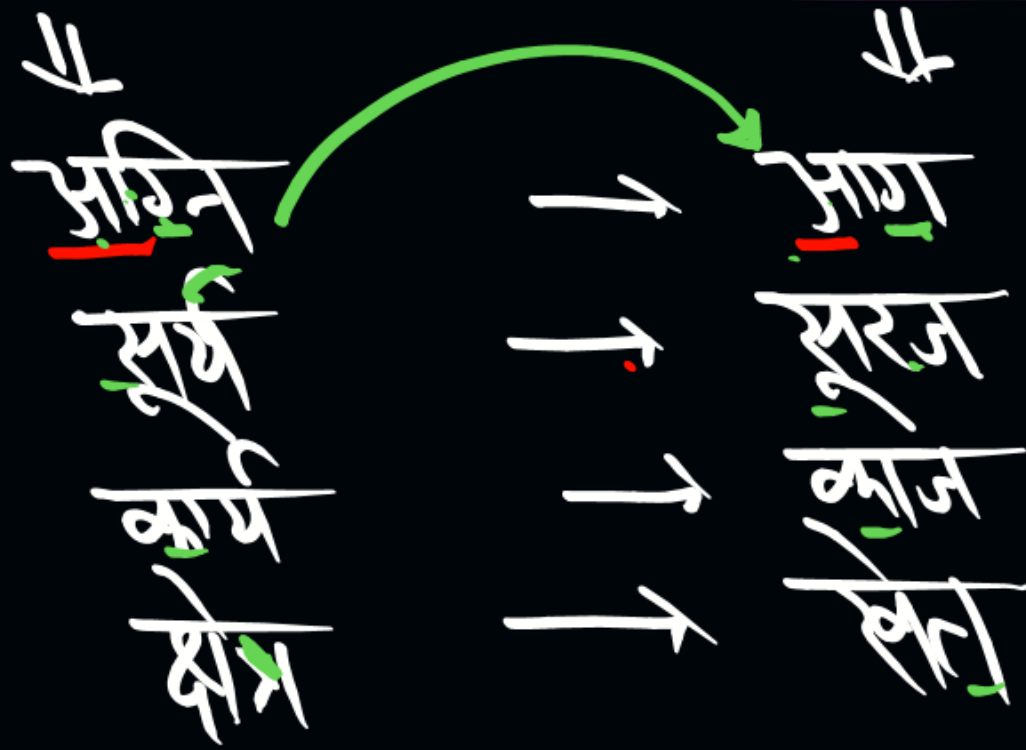
③ तद्भव

② तद् + भव

① तत् + भव

उससे + उत्पन्न

संस्कृत से उत्पन्न



① इन वर्णों का प्रयोग केवल तत्सम शब्दों में किया जाता है-

तत्सम → तद्वत्

तत्सम → तद्वत्

क्षेत्र → क्ष → खे → खेत

य - ज

वक्त्र → व → ब → बक्त्र

सूर्य - सूरज

श्वसुर → श → स → ससुर

कार्य - काज

शमूषा → ष → स → सेवा

पूर्ण → ८ → २ → पूरा

ज - न

ज्ञान → ज्ञ → ज्ञान

वर्ण → वर्ण

② प्राये व्यंजन (स्वर रहित व्यंजन) वाले अधिकांश शब्द - 99.9%

ग्रह, ग्रह, कर्ण, व्यंजन, अग्नि, शुष्क

ग+र, ग+र, र, व, ज, श+र

अपवाद - चार, चात, हिंदी = तदुभय शब्द
प, प, अ, हिंदी के शब्द

③ संयुक्त व्यंजन वाले सही शब्द -

क+ष = क्ष = क्षत्रिय

ज+र = ज्ञ = ज्ञात्र

ज+ञ = ज्ञ = विज्ञान

श+र = श्र = श्रीमान्

व+य = वय = विद्यालय

④ अयोगवाह वाले वर्ण (अं, अः) का प्रयोग जिस शब्द में हो-

अं - संसार, अंजन, स्वयं, संस्कृत, संख्या, संविधान

अः - प्रातःकाल, पुनः जागमन, अतः स्वयं, प्रायः, स्वतः ।